प्रेम और मर्यादा के बीच उलझा स्त्री का मन

भारत भवन में बघेली भाषा में प्रस्तुत हुई प्रेम कथा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 17 मार्च. मंच पर एक स्त्री खामोश खड़ी थी और उसके भीतर चल रही उथल पुथल पूरे सभागार में महसूस हो रही थी. भारत भवन में मंगलवार शाम शुरू हुए आद्या नाट्य समारोह के पहले दिन नाटक दुविधा ने इसी मौन को आवाज दी और दर्शकों को भीतर तक झकझोर दिया.

प्रस्तुति में लोक रंग समिति सतना के कलाकारों ने लगभग 90 मिनट तक दर्शकों को बांधे रखा.विजयदान देथा की लोककथा पर आधारित इस नाटक को सविता दाहिया ने अपने निर्देशन से बघेली लोक शैली में ढालकर एक नई संवेदनात्मक परत दी. कहानी एक ऐसे परिवार की है जहां सामाजिक प्रतिष्ठा और परंपराएं रिश्तों से बड़ी हो जाती हैं. इसी बीच एक स्त्री का मन प्रेम और मर्यादा के बीच उलझा रहता है.भूत की प्रेम कथा के माध्यम से यह दिखाया गया कि समाज अक्सर स्त्री की इच्छाओं को अनदेखा कर देता है. कलाकारों ने अपने अभिनय से मंच पर यह द्वंद्व इतनी सहजता से उभारा कि दर्शक खुद को उस स्त्री की पीड़ा और वास्तविकता से परिचित होते दिखे.यह नाटक केवल मनोरंजन नहीं बल्कि समाज के उस सच को सामने लाता दिखा, जहां स्त्री का मन अक्सर अनकहा रह जाता है।

लोक शैली ने बढ़ाया प्रभाव

बघेली संवाद, उखान और 16 संस्कार गीतों ने प्रस्तुति को इतना खास बनाया कि मंच पर सजी जादुई दीवार और बमूर बिरवा के प्रतीक भी दृश्यों की गहराई में लिप्त हो गए .वहीं कलाकारों के संगीत और नृत्य का संयोजन दर्शकों को अंत तक बंधे रखा .

ब्राइडल वॉक में चमका हुनर

ब्यूटी सेमिनार ऑर अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 17 मार्च. सौंदर्य अब केवल सजावट नहीं बल्कि कला और आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति बन चुका है.शहर में आयोजित ब्यूटी सेमिनार और वूमेन पॉवर अवॉर्ड सेरेमनी में यही रंग देखने को मिला.जहां मंच पर प्रतिभा और रचनात्मकता ने सबका ध्यान खींचा.नर्मदापुरम रोड स्थित पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक ब्यूटी प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया.

ब्राइडल ब्यूटी वॉक के दौरान प्रतिभागियों ने अपने हुनर का ऐसा प्रदर्शन किया, कि पूरा माहौल तालियों से गूंज उठा. हर प्रस्तुति में रंगों का संतुलन और स्टाइल की बारीकी साफ नजर आई. मंच पर लाइव डेमो देते हुए मेकअप आर्टिस्ट अनुराग राय, रत्ना श्रीवास्तव और टीना गौर ने आधुनिक तकनीकों को आसान तरीके से समझाया. साथ ही स्किन केयर और हेयर स्टाइलिंग के टिप्स ने प्रतिभागियों को नई दिशा दी. वहीं कार्यक्रम में टेलीविजन अभिनेत्री कांची सिंह और कला संरक्षक हरिओम जटिया की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया.उन्होंने प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया.इस अवसर पर समाज सेवा, शिक्षा, उद्यमिता और कला से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया.अंत में ब्राइडल वॉक ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया.

एक नजर में

बीएचईएल में मनाया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

भोपाल, 17 मार्च (बीएचईएल संवाददाता). भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, (बीएचईएल) में 'सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को शामिल करें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं' थीम के साथ 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया. इसके साथ ही सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ भी किया गया. इस अवसर पर पूरे कारखाने में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर कर्मचारियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया गया. कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में सुरक्षा संबंधी फ्लेक्स एवं बैनरों का प्रदर्शन, जागरूक श्रमिकों को तत्काल प्रोत्साहन, सुरक्षा वार्ताएं, अग्निशमन प्रदर्शन तथा सभी द्वारों पर नियमित सुरक्षा घोषणाएं की गईं .आपदा प्रबंधन और मानक कार्यप्रणालियों की समीक्षा के लिए मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया गया. 'इलाज से बेहतर रोकथाम' के सिद्धांत पर आधारित इस अभियान में प्रशिक्षण और जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया .इसके तहत 60 सेफ्टी स्टेवर्ट, 40 ठेका श्रमिक, 40 क्रेन संचालक एवं स्लिंगर, 30 कैंटीन कर्मी, ऊंचाई पर कार्य करने वाले 20 श्रमिक तथा 10 विद्युत सुरक्षा अधिकारियों को कक्षा आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया. सभी कार्यक्रम स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के तत्वावधान में आयोजित किए गए.

पीजी छात्रों के लिए हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

भोपाल, 17 मार्च. गांधी मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2025 बैच के नवप्रवेशित स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. डीन डॉ. प्रो. कविता एन. सिंह ने छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया .उन्होंने बताया कि छात्रों के लिए विभाग में 'लेट्स शेयर एंड केयर' गतिविधि की शुरुआत की गई है, जिससे सभी छात्रों के लिए सकारात्मक, सहयोगपूर्ण और स्वस्थ वातावरण बनाया जा सके. निकट भविष्य में पीजी छात्रों को विभिन्न हाउसों में विभाजित किया जाएगा, जिससे बेहतर कार्य वातावरण, टीम भावना और आपसी समन्वय विकसित हो सके. कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में डॉ. कविता कुमार , डॉ. सिम्मी दुबे, डॉ. जया लालवानी, डॉ. आशीष गोहिया, डॉ. ताहिर अली, डॉ. आशीष जैन, डॉ. दीप्ति चौरसिया, डॉ. अतुल श्रीवास्तव एवं डॉ. रुचि सोनी ने पीजी शिक्षण, अस्पताल सेवाएं, आपातकालीन प्रबंधन, मेडिकल रिसर्च, प्रोफेशनल एथिक्स और कार्य-जीवन संतुलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए.

योग से स्वस्थ रहता है शरीर : योगाचार्य

भोपाल, 17 मार्च. शरीर और आत्मा को स्वस्थ रखना हमारी स्वयं की जिम्मेदारी है. मंदिर जाना , पूजा पाठ, हवन , विधान ,परोपकार के कार्य करना हमारी आत्मा को स्वस्थ रखते हैं, ठीक इसी प्रकार योग, व्यायाम हमारे शरीर को स्वस्थ बनाते हैं .जीवन को संतुलित बनाने के लिए यह दोनों प्रकार के कार्य हमें नियमित करना चाहिए. यह बात योगाचार्य अशोक जैन ने मंगलवार को चौक जैन धर्मशाला में योग शिविर के दौरान कही. आदिनाथ भगवान के जन्मोत्सव सप्ताह के आखिरी दिन योग एवं व्यायाम का आयोजन राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ के तत्वावधान में किया गया था.

चंड अशोक से धर्म अशोक तक की सजीव प्रस्तुति

लिटिल बैले ट्रुप में आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 17 मार्च. मुझे नर्क चाहिए जैसे ही मंच पर यह संवाद गूंजा पूरा सभागार स्तब्ध हो गया. लिटिल बैले ट्रुप में मंगलवार को प्रस्तुत बैले चंड अशोक ने दर्शकों को इतिहास के उस दौर में पहुंचा दिया जहां सत्ता की क्रूरता और आत्मा के जागरण का संघर्ष एक साथ दिखाई दिया.

चैतन्य सोश्यो कल्चरल सोसायटी की प्रस्तुति इस बैले में कलाकारों ने सम्राट अशोक के जीवन के उस गहरे मोड़ को जीवंत किया, जहां कलिंग युद्ध के बाद एक क्रूर विजेता भीतर से टूट जाता है और करुणा का मार्ग चुनता है.सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय की कृति उत्तर प्रियदर्शी पर आधारित यह प्रस्तुति कथ्य और भाव दोनों स्तर पर इतनी गहन होती है कि दर्शकों की आंखें बस मंच पर ही टिकी रह जाती हैं.

बैले में मंच पर नरक के दृश्य, युद्ध के बाद का सन्नाटा और विलाप करती मानवता को कलाकारों ने ऐसे जीवंत किया कि दर्शक भावनात्मक रूप से डूबे रहे.चंद्र माधव बारिक की कोरियोग्राफी में मयूरभंज छऊ की झलक और लयबद्ध अभिनय ने प्रस्तुति को गहराई से संजोया. कलाकारों में सुमन कोठारी, वर्षा मालवीय, मनीषा हार्डिया, प्रियंका शर्मा, अनन्या यादव और सिद्धार्थ बारिक सहित पूरी टीम ने अपने अभिनय से कथा को प्रभावी बनाया. वहीं वेशभूषा और मंच सज्जा में भी ओडिसी और छऊ की छाप नजर आई. बैले का सबसे प्रभावशाली क्षण वह रहा जब अशोक का अंतर्मन बदलता है और हिंसा से करुणा की ओर उसका झुकाव दिखाई देता है.

यही परिवर्तन इस प्रस्तुति की आत्मा बनकर उभरता है.यह प्रस्तुति केवल एक नृत्य नाटिका नहीं बल्कि मानवता और आत्मबोध की गहरी कहानी बनकर सामने आई.

संग्रहालय में 'टिमकी' का प्रदर्शन

बैगा जनजाति का है पारंपरिक ताल वाद्य यंत्र

भोपाल, 17 मार्च. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा संचालित 'माह का प्रादर्श' श्रृंखला के अंतर्गत इस माह बैगा जनजाति का पारंपरिक ताल वाद्य यंत्र 'टिमकी' प्रदर्शित की गई.

कार्यक्रम का उद्घाटन संग्रहालय निदेशक प्रो. अमिताभ पाण्डेय, प्रशिक्षण संचालक, आरसीपीवीनरोन्हा प्रशासन अकादमी डॉ. अनुपमा रावत, भ्रमण दल के वरिष्ठ अधिकारी मेजर जनरल पवनपाल सिंह एवं कुनाल सत्यार्थी ने संयुक्त रूप से किया. इस अवसर पर नई दिल्ली के नेशनल डिफेन्स कॉलेज से अध्ययन भ्रमण पर आए 17 वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए. संग्रहालय के निदेशक ने कहा कि 'माह का प्रादर्श' श्रृंखला के माध्यम से संग्रहालय देश की विविध जनजातीय एवं लोक परंपराओं को जनसामान्य तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास कर रहा है. उन्होंने बताया कि 'टिमकी' जैसे पारंपरिक वाद्य न केवल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम हैं, बल्कि वे समुदायों की पहचान, आस्था और जीवन पद्धति को भी प्रतिबिंबित करते है.

हिमांशु ने आर्म रेसलिंग में जीते दो स्वर्ण पदक

भोपाल,17 मार्च. अलीगढ़ स्थित राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में 11 से 15 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में एलएनसीटी विश्वविद्यालय के छात्र हिमांशु घुसर ने शानदार प्रदर्शन किया.

उन्होंने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए. बीपीईएस पहले साल के छात्र हिमांशु ने 55 किलोग्राम वर्ग में राइट हैंड फाइनल में मिजोरम विश्वविद्यालय आइजोल के खिलाड़ी को हराकर पहला स्वर्ण जीता.इसके बाद लेफ्ट हैंड फाइनल में केरल विश्वविद्यालय कालिकट के खिलाड़ी को पराजित कर दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया.इस उपलब्धि के साथ हिमांशु ने प्रदेश और विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया. वे अपने वर्ग में प्रदेश के प्रथम वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी हैं.हिमांशु की इस सफलता पर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लेडीज क्लब ने दृष्टिबाधित बच्चों से किया संवाद

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 17 मार्च. बीएचईएल लेडीज क्लब ने अपनी अध्यक्ष रोजी उपाध्याय के नेतृत्व में हेल्पिंग हैंड्स वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों के साथ जाटखेड़ी स्थित एक दृष्टिबाधित विद्यालय का दौरा किया और वहां अध्ययनरत बच्चों से संवाद किया. इस दौरान संस्था की सहायता के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया.

कार्यक्रम में लेडीज क्लब की विभिन्न केंद्रों की उपाध्यक्ष अनुजा मजुमदार, योगिता बघेल, प्रीति दानी, प्रीति अग्रवाल, मंजू पटेल और ललिता चटर्जी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं. सचिव मनीषा शर्मा के साथ मंजू शौरी, रीतु आर्या, दीपाली गोस्वामी और शीतल जुनेजा ने भी सहभागिता की. विद्यालय के बच्चों ने अपनी कला और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे सभी अतिथि अत्यंत प्रभावित हुए. प्रस्तुतियों में बच्चों की रचनात्मकता और दृढ़ संकल्प स्पष्ट रूप से झलक रहा था. लेडीज क्लब की सदस्यों ने विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया. यह पहल बीएचईएल लेडीज क्लब की सामाजिक सरोकारों और सामुदायिक सेवा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

एम्स के डॉ. मुखर्जी को शोध में मिला सम्मान

भोपाल, 17 मार्च. एम्स भोपाल चिकित्सा सेवाओं, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है. इसी क्रम में जैव रसायन विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. सुखेश मुखर्जी को प्रतिष्ठित रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी की फेलोशिप प्रदान की गई है.

यह सम्मान जैविक विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को दिया जाता है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है.

डॉ. सुखेश मुखर्जी का शोध कार्य मुख्य रूप से रोगों के आणविक तंत्र को समझने और नई उपचार रणनीतियों के विकास पर केंद्रित है.उनके शोध से यह समझने में मदद मिलती है कि विभिन्न रोग शरीर में किस प्रकार विकसित होते हैं और उन्हें प्रभावी तरीके से कैसे नियंत्रित या उपचारित किया जा सकता है. एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर ने डॉ. मुखर्जी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी.

भोपाल में खुलने जा रही है MP की पहली Automation Experience Gallery

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्मार्ट टेक्नोलॉजी और आधुनिक जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक नया कदम उठाया जा रहा है। Affiance Automation Pvt. Ltd. जल्द ही भोपाल में प्रदेश की पहली Automation Experience Gallery शुरू करने जा रही है। लगभग 4000 वर्गफुट में बनने जा रही यह गैलरी लोगों को स्मार्ट होम टेक्नोलॉजी और सिनेमैटिक होम थिएटर का लाइव अनुभव प्रदान करेगी।

यह Experience Gallery उन लोगों के लिए खास होगी जो अपने घर या ऑफिस को स्मार्ट टेक्नोलॉजी से लैस करना चाहते हैं। यहां आने वाले लोग Home Automation, Smart Lighting, Smart Security Systems, Digital Locks, Motorized Curtains और Premium Home Theatre जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को वास्तविक रूप में देख और समझ सकेंगे। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को केवल प्रोडक्ट दिखाना ही नहीं बल्कि उन्हें स्मार्ट लिविंग का वास्तविक अनुभव देना है।

गौरतलब है कि वर्ष 2019 में स्थापित Affiance Automation Pvt. Ltd. ने बहुत कम समय में प्रदेश में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। कंपनी अब तक मध्यप्रदेश में 175 से अधिक प्रोजेक्ट्स सफलतापूर्वक पूरे कर चुकी है।

कंपनी द्वारा किए गए प्रमुख प्रोजेक्ट्स में भोपाल के Bansal One में ऑटोमेशन सिस्टम, Sultania Hospital में इटर सिस्टम, Vallabh Bhavan के कॉन्फ्रेंस रूम में एडवांस्ड ऑडियो-वीडियो सॉल्यूशन तथा Madhya Pradesh Police की 100 डायल सेवा में तकनीकी सहयोग शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी ने कई रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में भी स्मार्ट ऑटोमेशन समाधान उपलब्ध कराए हैं।

कंपनी के संस्थापकों का कहना है कि यह Experience Gallery केवल एक शोरूम नहीं बल्कि एक टेक्नोलॉजी डेमो सेंटर होगा, जहां ग्राहक नई तकनीकों को समझकर अपने घरों और ऑफिस में लागू करने का निर्णय ले सकेंगे। इससे मध्यप्रदेश में स्मार्ट होम टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

भोपाल में खुलने जा रही यह Automation Experience Gallery प्रदेश में तकनीकी नवाचार और स्मार्ट लिविंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। छोटे से विचार से शुरू हुई यह कंपनी आज प्रदेश में आधुनिक ऑटोमेशन सॉल्यूशंस का एक उभरता हुआ नाम बन चुकी है।

संपर्क: 7580900551

गर्मी में बढ़ी बिक्री | शहर में गर्मी बढ़ते ही मटकों की हो रही वापसी

बाजारों में बिक रहे मल्टीपर्पज मटके

साक्षी केसरवानी

भोपाल,17 मार्च. शहर में गर्मी की दस्तक के साथ ही बाजारों में एक बार फिर मिट्टी के मटकों की रौनक लौट आई है.आधुनिक फ्रिज के दौर में भी ठंडे और सोंधे पानी के लिए लोग पारंपरिक मटकों की ओर रुख कर रहे हैं.खास बात यह है कि इस बार साधारण घड़ों के साथ डिजाइनर मटकों की मांग तेजी से बढ़ी है, जिससे स्थानीय कारोबारियों को नया बाजार मिल रहा है.

शहर भर में मटकों की दुकानों पर इन दिनों ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है.दुकानदारों के अनुसार शहर में मटकों की आपूर्ति स्थानीय स्तर पर सीमित है, इसलिए कानपुर, बैतूल, खातेगांव और गुजरात से बड़ी मात्रा में मटके मंगाए जा रहे हैं. दुकानदार रमेश प्रजापति बताते हैं कि पहले लोग केवल सादे मटके लेते थे, लेकिन अब ग्राहक दुकान में आते ही सबसे पहले डिजाइनर मटकों के दाम पूछते हैं. कई ग्राहक दोबारा आकर मटके ले जाते हैं.वहीं इन मटकों में पारंपरिक कारीगरी के साथ आकर्षक डिजाइन होने के कारण लोग घरों, ऑफिस और यहां तक कि कैफे में भी इनका उपयोग कर रहे हैं.

50 प्रतिशत बढ़ी बिक्री: दुकानदारों के अनुसार इस बार गर्मी बढ़ने के साथ मटकों की बिक्री में 40 से 50 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है.वहीं साधारण मटकों की कीमत में 20 से 30 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई है.जबकि डिजाइनर मटकों को मशीन और हाथों की कारीगरी से तैयार करते हैं, जिसमें समय और मेहनत अधिक लगता है, इसलिए उनकी कीमत ज्यादा होती है.

300 से 600 रुपए में बिक रहे डिजाइनर मटके

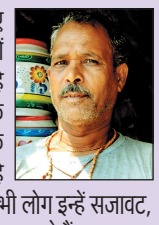

साधारण मटकों की कीमत जहां 100 रुपए से शुरू हो जाती है, वहीं डिजाइनर मटकों के दाम 300 से 600 रुपए तक पहुंच रहे हैं. दुकानदार दुर्गा प्रसाद बताते हैं कि ग्राहक अब केवल उपयोग के लिए ही नहीं, बल्कि घर की सजावट के लिए भी मटके खरीद रहे हैं. इनका उपयोग पानी ठंडा करने के बाद भी लोग इन्हें सजावट, बागवानी और फूलदान के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं.